चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6-10-24	3	6-8

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

हरियाणा, राजस्थान व पंजाब के विभिन्न 16 जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हरियाणा, राजस्थान व पंजाब राज्य के विभिन्न 16 जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित या अशिक्षित, युवक व युवतियां कम से कम खर्च में इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाकर आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि हरियाणा में ज्यादातर किसान सर्दी के मौसम में सफेद बटन खुंब की काश्त करते हैं और इसके बाद फार्म को बंद कर दिया जाता है जबकि बटन मशरूम के बाद ढींगरि व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ

डॉ. राकेश चुघ ने ढींगरि और कीड़ा जड़ी मशरूम को उगाने कि विधि के बारे मे बताया तथा डॉ. अमोघवर्षा ने शिटाके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि सफ़ेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपए प्रति किलो लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपए प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है। सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल वत्स ने खुम्ब उत्पादन में सूत्रकृमियों की रोकथाम तथा डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों के प्रबंधन रसायनों के प्रयोग की बजाए दूसरे सुरक्षित तरीकों पर प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6-11-25	4	3-5

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण सम्पन्न

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा, राजस्थान व पंजाब राज्य के विभिन्न 16 जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित या अशिक्षित, युवक व युवतियां कम से कम खर्च में इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

प्रशिक्षण के आयोजक डा. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि हरियाणा में ज्यादातर किसान सर्दी के मौसम में सफेद बटन खुम्ब की काश्त करते हैं और इसके पश्चात फार्म को बंद कर दिया जाता है जबकि बटन मशरूम के बाद ढींगरि व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी किया जा सकता है। डा. राकेश चुघ ने ढींगरि और कीड़ा जड़ी मशरूम को उगाने कि विधि के बारे में बताया तथा डा. अमोघवर्षा ने शिटाके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डा. संदीप भाकर ने बताया कि सफेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपये प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है। सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डा. अनिल वत्स ने खुम्ब उत्पादन में सूत्रकृमियों की रोकथाम तथा डा. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों के प्रबंधन रसायनों के प्रयोग कि बजाए दूसरे सुरक्षित तरीकों पर प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया।

एचएयू में प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ। • पीआरओ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	6-11-24	11	1-5

मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

मशरूम से की जा सकती आय में बढ़ोतरी: डॉ. गोदारा

- वैज्ञानिकों ने मशरूम के उत्पादन, बिक्री और रोगों की रोकथाम के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा है कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित या अशिक्षित, युवक व युवतियां कम से कम खर्च मे इसे स्व-रोजगार के रूप मे अपनाकर आय मे बढ़ोतरी कर सकते हैं। इस संस्थान में मशरूम उत्पादन के अलावा मधु-मक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, और्गेनिक फ़ार्मिंग, बीज उत्पादन, डेयरी फ़ार्मिंग, फल एवं सब्जी प्रशिक्षण, दूध व दूध से बने उत्पाद, बेकरी, स्प्रे तकनीक, खाद्य पदार्थों का मूल्य संवर्धन, नर्सरी रेजिंग, बाग लगाने आदि विभिन्न विषयों पर पूरे वर्ष प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं।

हिसार। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों के साथ विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

डॉ. अशोक गोदारा मंगलवार को संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण में हरियाणा, राजस्थान व पंजाब राज्य के विभिन्न 16 जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।डॉ. गोदारा ने बताया कि मशरूम में कई तरह के औषधीय गुण भी होते हैं। इसका सेवन स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभप्रद है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि हरियाणा मे ज्यादातर किसान सर्दी के मौसम मे सफ़ेद बटन खुम्ब की काश्त करते हैं और इसके पश्चात फार्म को बंद कर दिया जाता है जबकि बटन मशरूम के बाद ढींगरि व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी किया जा सकता है। डॉ. राकेश चुघ ने ढींगरी और कीड़ा जड़ी मशरूम को उगाने कि विधि के बारे मे बताया तथा डॉ अमोघवर्षा ने शिटाके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। मौके पर सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल वत्स, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा मौर्य पूनिया भी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6-11-24	2	1-2

एचएयू में दिया मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण

एचएयू में प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ। स्रोत : आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

इसमें हरियाणा, राजस्थान व पंजाब राज्य के 16 जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि भूमिहीन, शिक्षित या अशिक्षित, युवा कम से कम खर्च में मशरूम उत्पादन कर आय बढ़ा सकते हैं।

आयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने

वैज्ञानिकों ने मशरूम के उत्पादन और बिक्री बारे दी जानकारी

बताया कि प्रदेश में सफेद बटन खुंबी उगाई जाती है। डॉ. राकेश चुघ ने ढींगरी, कीड़ाजड़ी मशरूम को उगाना सिखाया।

सूत्र कृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल वत्स, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. अमोघ वर्षा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा मौर्य पूनिया ने भी जानकारी दी। कहा कि मशरूम के प्रबंधन के लिए फफूंदनाशियों के प्रयोग के बजाय खुंब भवन में सफाई का ध्यान रखें। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजित समाचार	6.11.24	7	6-8

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 5 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा, राजस्थान व पंजाब राज्य के विभिन्न 16 जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित या अशिक्षित, युवक व युवतियाँ कम से कम खर्च मे इसे स्व-रोजगार के रूप मे अपनाकर आय मे बढ़ोतरी कर सकते हैं। इस संस्थान में मशरूम उत्पांदन के अलावा मधु-मक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, और्गेनिक फ़ार्मिंग, बीज उत्पादन, डेयरी फ़ार्मिंग, फल एवं सब्जी प्रशिक्षण, दूध व दूध से बने उत्पाद, बेकरी, स्प्रे तकनीक, खाद्य पदार्थों का मूल्य संवर्धन, नर्सरी रेजिंग, बाग लगाने आदि विभिन्न विषयों पर पूरे वर्ष प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा कई तरह के औषधीय गुण भी मोजूद होते हैं। इसका सेवन स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभप्रद है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि हरियाणा मे ज़्यादातर किसान सर्दी के मौसम मे सफ़ेद बटन खुम्ब की काश्त करते हैं और इसके पश्चात फार्म को बंद कर दिया जाता है जबकि बटन मशरूम के बाद ढींगरि व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी किया जा सकता है। डॉ. राकेश चुघ ने ढींगरि और कीड़ा जड़ी मशरूम को उगाने कि विधि के बारे मे बताया तथा डॉ अमोघवर्षा ने शिटाके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि सफ़ेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो लागत आती है और बाजार मे लगभग 100 रुपये प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है। सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल वत्स ने खुम्ब उत्पादन में सूत्रकृमियों की रोकथाम तथा डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों के प्रबंधन रसायनों के प्रयोग कि बजाए दूसरे सुरक्षित तरीकों पर प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। डॉ. पवित्रा मौर्य पुनिया ने बताया कि खुम्ब में मुख्यत: गीला बुलबुला व सूखा बुलबुला रोग का प्रकोप देखा जाता है तथा इनके प्रबंधन के लिए फफूंदनाशियों के प्रयोग की बजाए खुम्ब भवन में साफ सफाई का ध्यान रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6-11-24	3	7-8

मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 5 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा, राजस्थान व पंजाब राज्य के विभिन्न 16 जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित या अशिक्षित, युवक व युवतियां कम से कम खर्च मे इसे स्व-रोजगार के रूप मे अपनाकर आय मे बढ़ौतरी कर सकते हैं।